देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 21.05.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने नीट–यूजी पुनः परीक्षा से पहले अफवाहों और फर्जी पेपर लीक की खबरों पर रोक लगाने के लिए प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को निर्देश जारी किए।
- ऊर्जा निगम, प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में फैली भ्रांतियां को दूर करने के लिए जागरुकता अभियान चला रहा है।
- वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियां, उत्तराखंड में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं।
- कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में पौड़ी जिले के उत्तरी झंडीचौड़ में आधुनिक हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है।

नीट–यूजी परीक्षा

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मेटा, गूगल और टेलीग्राम सहित प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित गलत सूचनाओं के बढ़ते प्रसार को रोकने पर ध्यान केन्द्रित किया गया। यह बैठक 21 जून को फिर से होने वाली नीट–यूजी परीक्षा से पहले काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कई ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट हैं, जो परीक्षाओं से पहले अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं तथा फर्जी पेपर लीक के दावे, क्लिकबेट सामग्री और अफवाहें फैलाते हैं। इससे विद्यार्थी और अभिभावकों में चिंता और भ्रम की स्थिति पैदा होती है। एक अन्य बैठक में, श्री प्रधान ने नीट–यूजी की पुनः परीक्षा के सुरक्षित, निष्पक्ष और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया।

स्मार्ट मीटर

प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में अब जागरूकता बढ़ने लगी है। ऊर्जा निगम की ओर से जागरूकता अभियान के तहत लोगों को बताया जा रहा है कि स्मार्ट मीटर आम जनता के हित के लिए हैं। ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक जी.एस बुदियाल ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में भ्रांतियां हैं कि इससे बिजली का बिल ज्यादा आत है। उन्होंने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है, बल्कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों को रोजाना बिजली खपत की पूरी जानकारी मिलेगी। इसके लगने के बाद बिजली चोरी भी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि लोगों के जागरुक होने से स्मार्ट मीटर का विरोध भी अब कम हो रहा है।

वाहन जांच

आदि कैलाश–ओम पर्वत यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अवैध वाहन संचालन पर रोक लगाने के लिए पिथौरागढ़ परिवहन विभाग ने आज सुबह पिथौरागढ़–आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन शिवांश कांडपाल के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने यात्रा मार्ग पर संचालित वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, टैक्स, परमिट, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की। इस दौरान दिल्ली पंजीकरण की एक निजी कार यात्रियों को लेकर आदि कैलाश यात्रा पर जाती पाई गई। जांच में वाहन का व्यावसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वाहन को सीज कर दिया और वाहन स्वामी तथा चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में 35 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं, अनियमितताओं के चलते एक अन्य वाहन को भी सीज किया गया, जबकि 19 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। एआरटीओ प्रवर्तन ने कहा कि यात्रा अवधि के दौरान सघन प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे और निजी वाहनों में सवारी ले जाते पाए जाने पर वाहन को तत्काल सीज किया जाएगा।

तेल आपूर्ति

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियां– इंडियन ऑयल, बी.पी.सी.एल और एच.पी.सी.एल, उत्तराखंड में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए हैं। आईओसीएल उत्तराखंड के राज्य स्तरीय समन्वयक कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि तेल उद्योग अपने व्यापक आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें टर्मिनल, डिपो, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और रिटेल आउटलेट शामिल हैं। सभी आउटलेट पर ईंधन वितरण सुचारू रूप से चल रहा है और निर्धारित सुरक्षा और परिचालन मानदंडों के अनुरूप बिना किसी प्रतिबंध के आपूर्ति जारी है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति भी सामान्य रूप से जारी है और राज्यभर में वितरण सुचारू रूप से चल रहा है। श्री गुप्ता ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां नागरिकों को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्टॉक की स्थिति और वितरण योजना पर मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे सामान्य रूप से खरीददारी करते रहें और अनावश्यक रूप से घबराकर खरीददारी न करें। उन्होंने कहा कि ईंधन की उपलब्धता से संबंधित प्रामाणिक और सत्यापित जानकारी के लिए केवल तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

महिला हॉस्टल

कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में पौड़ी जिले के उत्तरी झंडीचौड़ में आधुनिक वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है। बाल विकास विभाग द्वारा लगभग तीन करोड़ साठ लाख रुपये की लागत से बन रहा यह हॉस्टल, क्षेत्र की

कामकाजी महिलाओं के लिए बड़ी सौगात बनकर उभरेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि इसमें 28 कमरे बनाए जा रहे हैं, जहां कामकाजी महिलाएं सुरक्षित वातावरण में रह सकेंगी। इसके अलावा भवन में डाइनिंग हॉल, रसोई, शौचालय और बाथरूम की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यह हॉस्टल विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, जो रोजगार, शिक्षा या अन्य कार्यों के लिए शहरों और कस्बों में रहकर कार्य कर रही हैं। बाल विकास विभाग की यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मौसम/स्वास्थ्य विभाग

राज्य में लगातार बढ़ते तापमान और मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भीषण गर्मी और संभावित हीट वेव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से जारी दिशा–निर्देशों के तहत सभी स्वास्थ्य इकाइयों को गर्मी से संबंधित बीमारियों की रोकथाम और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य के जिला और उप–जिला अस्पतालों में हीट स्ट्रोक कक्ष स्थापित करने को कहा गया है। इन कक्षों में मरीजों को तत्काल राहत देने के लिए कूलिंग सिस्टम, आइस पैक और पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। "पहले ठंडा करें, फिर परिवहन करें" प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया गया है, ताकि गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सके। स्वास्थ्य सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि राज्य सरकार हीट वेव की चुनौती को लेकर पूरी तरह गंभीर है और सभी जिलों को समय रहते तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और प्रशिक्षित चिकित्सा स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है।

चारधाम पंजीकरण

प्रदेश में चारधाम यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु धामों के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस बीच, चारधाम यात्रियों की सुविधा के लिए हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में बनाए गए ऑफलाइन यात्री पंजीकरण केंद्र में अब तक पंजीकरण करने वालों की संख्या दो लाख 28 हजार के पार हो गई है। इनमें पवित्र हेमकुंड साहिब की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु भी शामिल हैं। सभी सुविधाओं से युक्त यह पंजीकरण केंद्र 17 अप्रैल से शुरू हुआ था।